महाविद्यालय का इतिहास - परिचय

राजकीय महाविद्यालय, रायपुर, भीलवाड़ा की स्थापना सन- 2013 में हुई। इस महाविद्यालय के भवन एवं परिसर हेतु राजस्थान सरकार ने 12 हेक्टर भूमि आवंटित की है। यह महाविद्यालय भीलवाड़ा जिला मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर रायपुर-सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र में रायपुर ग्राम पंचायत में ही रायपुर से 5 किलोमीटर दूर गंगापुर- कोशीथल रोड पर अवस्थित है। यह महाविद्यालय नांदसा जागीर और गौशाला के पास मुख्य सड़क मार्ग पर संचालित है। यह महाविद्यालय एक बड़ी ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्र का एक प्रमुख उच्च शिक्षा का शैक्षणिक संस्थान है। यह महाविद्यालय सरकार के सहयोग से निर्मित स्वयं के राजकीय भवन में सन 2017 से संचालित है। आरंभ में यह महाविद्यालय महाराणा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुर परिसर के कुछ कमरों में 2013 से 2016 तक संचालित हुआ। स्वयं के भवन में यह महाविद्यालय 2017 से संचालित हो रहा है। राजकीय महाविद्यालय, रायपुर के राजकीय भवन का शिलान्यास दिनांक 3-10-2013 को मुख्य अतिथि माननीय नसीम अख्तर इन्साफ़, शिक्षा राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। यह नवस्थापित महाविद्यालय राजस्थान के दक्षिण पूर्व में स्थित भीलवाड़ा जिले के उत्तर में महाविद्यालय भवन-निर्माण का कार्य आधुनिक सुविधा को ध्यान में रखकर सरकार के निर्देशानुसार सार्वजानिक निर्माण विभाग द्वारा पूर्ण किया गया है। राजकीय महाविद्यालय, रायपुर (भीलवाड़ा) के राजकीय भवन का लोकार्पण तत्कालीन प्राचार्य श्री छगनलाल परसोया के कार्यकाल में मुख्य अतिथि श्रीमती की किरण माहेश्वरी, उच्च शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार के कर कमलों से दिनांक 29-7-2017 को संपन्न हुआ। यह महाविद्यालय सत्र 2013-14 में कला संकाय के प्रथम वर्ष में प्रविष्ट 100 छात्र-छात्राओं के नियमित अध्ययन से आरंभ हुआ। वर्तमान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में 424 विद्यार्थी अध्ययनरत है। इस महाविद्यालय में 295 छात्राएं अध्ययनरत हैं, जोकि कुल विद्यार्थियों का

70% है। महाविद्यालय महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से यूजी पाठ्यक्रम सत्र 2013-14 से अस्थाई नवीन संबद्धता प्राप्त है। इस महाविद्यालय में कला संकाय में सात विषय संचालित हैं- हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, संस्कृत, राजनीति विज्ञान आदि मैं विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 में की गई बजट घोषणा संख्या 252 की अनुपालना में राजकीय महाविद्यालय, रायपुर में नवीन वाणिज्य संकाय खोलने की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की। इसी सत्र 2020-21 में राजस्थान सरकार, उच्च शिक्षा (ग्रुप 3) विभाग, जयपुर ने दिनांक 3 सितंबर, 2020 के अनुसार माननीय मुख्यमंत्री महोदय की बजट घोषणा संख्या 281 की अनुपालना में राजकीय महाविद्यालय, रायपुर (भीलवाड़ा) को स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी विषय में क्रमोन्नत किए जाने की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। तदनुसार सत्र 2020-21 में आयुक्तालय के निर्देशानुसार ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया द्वारा स्नातकोत्तर हिंदी पूर्वार्द्ध में 34 विद्यार्थी प्रविष्ट होकर नियमित कक्षाएं प्रारंभ हुई। वर्तमान सत्र 2021-22 मे पीजी हिंदी में कुल 60 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। पीजी हिंदी पाठ्यक्रम सत्र 2020-21 से महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर से नवीन अस्थाई संबद्धता प्राप्त है। राजकीय महाविद्यालय रायपुर, भीलवाड़ा को सन 2020 से महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने मुख्य परीक्षाओं का परीक्षा केंद्र बनाया है। इस परीक्षा केंद्र पर पिछले 2 वर्षों से सफलतम परीक्षाओं का आयोजन हो रहा है। राजकीय महाविद्यालय, करेड़ा (भीलवाड़ा) के नियमित विद्यार्थी भी इसी परीक्षा केंद्र पर विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षाएं दे रहे हैं।

इस प्रकार सांस्कृतिक, धार्मिक एंव आध्यात्मिक महत्ववाली रायपुर नगरी के प्रतिष्ठित व्यक्ति, भामाशाहा, गणमान्य नागरिकों के भौतिक, बौद्धिक एंव वैचारिक सहयोग से महाविद्यालय उत्तरोतर प्रगति करेगा। जिसमें अध्ययनरत विद्यार्थियो को शारीरिक एंव बौद्धिक विकास से सकारात्मक सोच के साथ रचनात्मक दिशा में

अग्रसर होंगे, जिससे विद्यार्थियों के स्वयं के विकास के साथ क्षेत्र व देश का विकास होगा। इस प्रकार विद्यार्थियो कि स्वर्णिम उपलब्धियों से महाविद्यालय 21 वीं सदी में उच्च शिखर को छूने को अग्रसर होगा।

भविष्य में महविद्यालय के विकास व विस्तार की अनन्त सम्भावनाएं हैं ।

डॉ. निशा माथुर
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय,
रायपुर (भीलवाड़ा)